भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2021	अंक–87	दिनांक 22 से 26 दिसम्बर 2021	दिनांकः 21.12..2021

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान साफ रहने एवं वर्षा नहीं होने की संभावना है। हवा 5.1 से 10.4 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर–पूर्व दिशा से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 23.0 से 26.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7.0–11.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मौसमी तत्व /दिनाँक	22/12/2021	23/12/2021	24/12/2021	25/12/2021	26/12/2021
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डि.से.)	22	23	25	25	25
न्यूनतम तापमान (डि़.से.)	7	9	10	10	10
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	75	71	70	70	73
आपेक्षित आद्रता (षाम)	37	30	31	34	30
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	3.8	4.6	5	4.6	6.5
हवा की दिशा	पूर्व	पूर्व	पूर्व	दक्षिण	पूर्व
बादलों की स्थिति	साफ	साफ	साफ	साफ	साफ

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्श दिनांक 22 से 26 दिसम्बर 2021

सामान्य सलाह	• आने वाले पॉच दिनों में जबलपुर जिलें में आसमान साफ रहने की सम्भावना है एवं इसके साथ ही इस समय रात्रि का तापमान कम चल रहा है जिससे शीत लहर की संभावना हेा सकती है। अतः किसान भाई दलहनी फसलों को पाले से बचाव हेतु शाम के समय खेतों की मेंढों पर कचरा जलाकर घुऑ करें या सिंचाई के साधन उपलव्ध होनें पर हल्की सिचाई करें। चने की फसल में फली छेदक कीट के निगरानी हेतु फीरोमान प्रपंश @ 3–4 प्रपंश प्रति एकड़ खेतों में लगाएं।
मटर (बनस्पतिक अवस्था)	• खेतों में कीट के लिए निगरानी करें। • मटर की फसल पर 2 प्रतिशत यूरिया का घोल का छिड़काव करें । जिससे मटर की फल्लियों की संख्या में बढ़ोत्तरी होती है।
सरसों	• मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि सरसों की फसल में चेपा कीट की निरंतर निगरानी करते रहें ।
गेहूँ	• देर से बोए गये गेहूँ की फसल यदि 21 से 25 दिन की हो गयी हो तो पहली सिंचाई आवश्यकतानुसार करें। बाद में नत्रजन की शेष मात्रा का छिड़काव करें। • अंकुरण के 20 से 25 दिन में खपतवारनशी सल्फोसल्फयूरान 25 ग्रा. एवं मेटसल्फयूरान 10 ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें अथवा क्लोडिनोफास प्रोपारगिल 69 ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। • तापमान को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि वे पछेती गेहूँ की बुवाई अतिशीघ्र करें। बुवाई से पूर्व बीजों को बाविस्टिन 2.0 ग्राम प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से उपचारित करे। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो किसान क्लोरपाईरिफास (20 ईसी) @ 5.0 लीटर/हैक्टर की दर से पलेवा के साथ या सूखे खेत में छिड़क दें।
चना	• कतार में बोई गई चने की फसल में अन्तः कर्षण क्रिया या व्हील हो चलाकर खरपतवारों को नष्ट करें एवं जड़ों में वायु का संचार बढ़ायें। कीटों का निरीक्षण करते रहें। •
फलदार वृक्ष	• टाने वाले दिनों में शीतलहर की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह है कि फलवृक्षों के नये बाग को शीत अवरोधक बनाकर पुआल अदि से ढककर शीतलहर से बचाव करें।
सब्जियां	• वर्तमान मौसम प्याज की बुवाई के लिए अनुकूल है । बीज दर 10 कि. ग्रा. प्रति हैक्टर । बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 5 ग्राम प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से उपचार अवश्य करें। • यदि प्याज की रोपाई करना हो तो पहले अच्छी तरह से सड़ी हुई गोबर की खाद तथा पोटास उर्वरक का प्रयोग अवश्य करें। • टमाटर में झुलसा रोग आने की संभावना है अतः फसल की नियमित रूप से निगरानी करें । लक्षण दिखाई देने पर कार्बंडिजम 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए शीत लहर का प्रकोप बढ़ रहा है पाले से बचाव के लिए मेड़ पर धुआं करें या खेत मे नमी बनाये रखें। • जिन किसानों की टमाटर, फूलगोभी, बन्दगोभी या अन्य मौसमी सब्जियों की पौधशाला तैयार है, उनके पौधों की तैयारी कर सकते हैं। • इस मौसम में तैयार बन्दगोभी , फूलगोभी, अदि की रोपाई मेड़ो पर जा सकते है। • गोभीवर्गीय सब्जियों में पत्ती खाने वाले कीटों की निरंतर निगरानी करते रहें यदि सख्यॉ अधिक हो तो बी. टी. @ 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या स्पेनोसेड दवा @1.0 एम. एल. /3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
पशु एवं मुर्गी पालन	• जानवरों को हरे चारे हेतु बरसीम की बुवाई करें। • मुर्गियों को ठंड के कारण होने वाली कोरीजा विमारी से बचाव हेतु प्रति 100 वर्ग फिट में 300 वॉट के विद्युत बल्व का प्रयोग करें । • रात्रि का तापमान कम है अतः कम उम्र के पशुओं को रात्रि में ठण्ड से बचाव करें । इस हेतु बोरों के पर्दे लगावें, ताकि ठण्ड से

	कम उम्र के पशु पक्षियों को बचाया जा सके।

नोडल आफीसर

दिनांकः 21 दिसम्बर 2021